

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2021

एम.एच.डी.-11 : हिन्दी कहानी

समय : 2 घण्टे

अधिकतम अंक : 50

नोट : प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। शेष प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं दो की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए :

2×10=20

(क) इस घटना के बाद कुछ लोगों की दबी-दबी सहानुभूति पा जाने पर उसे ऐसा अनुभव हुआ जैसे किसी अँधेरे बंद तहखाने में प्रकाश की हल्की किरण का आसरा उसे मिल गया हो। पर सभी कामगारों की आँखों में सहानुभूति का यह भाव नहीं था। अनेक सहकर्मी इस घटना के पश्चात् उसके प्रति रूखा व्यवहार करने लगे थे और कुछ ऐसी भी आँखें थीं जिनमें अचानक ही ईर्ष्या और उपेक्षा की भावना उभर आई थी। ऐसी ही एक जोड़ा आँखें एक दिन छुट्टी के बाद मार्ग में बहुत दूर तक उसका पीछा करती रही थी। उसे ऐसा लगा

जैसे साथ में चलने वाला वह व्यक्ति उससे कुछ कहने के लिए अकुला रहा हो । उन दोनों के साथ-साथ मज़दूरों का झुण्ड हाथों में थैला या टिफिन का खाली डिब्बा लटकाए चला जा रहा था ।

(ख) रक्खे ने सीधा होने की चेष्टा की क्योंकि उसकी रीढ़ की हड्डी बहुत दर्द कर रही थी । अपनी कमर और जाँघों के जोड़ पर उसे सख्त दबाव महसूस हो रहा था । पेट की अंतड़ियों के पास से जैसे कोई चीज़ उसकी साँस को रोक रही थी । उसका सारा ज़िस्म पसीने से भीग गया था और उसके तलुओं में चुनचुनाहट हो रही थी । बीच-बीच में नीली फुलझड़ियाँ-सी ऊपर से उतरती और तैरती हुई उसकी आँखों के सामने से निकल जातीं । उसे अपनी ज़बान और होठों के बीच एक फासला-सा महसूस हो रहा था । उसने अँगोछे से होठों के कोनों को साफ किया । साथ ही उसके मुँह से निकला 'हे प्रभु, तू ही है, तू ही है, तू ही है, तू ही है ।'

(ग) मैं सड़क पार कर लेता हूँ । जंगली, बेमहक लेकिन खूबसूरत विदेशी फूलों के नीचे ठहर-सा जाता हूँ कि जो फूल, भीत के पास वाले अहाते की आदमक़द दीवार के ऊपर फैल, सड़क के बाजू पर बाँहें बिछाकर झुक

गये हैं । पता नहीं कैसे, किस साहस से व क्यों, उसी अहाते के पास बिजली का ऊँचा खम्भा – जो पाँच-छह दिशाओं में जाने वाली सूनी सड़कों पर तारों की सीधी लकीरें भेज रहा है – मुझे दीखता है और एकाएक खयाल आता है कि दुमंज़िला मकानों पर चढ़ने की एक ऊँची निसैनी उसी से टिकी हुई है । शायद, ऐसे मकानों की लम्ब-तड़ंग भीतों की रचना अभी भी पुराने ढंग से होती है ।

(घ) बारह साल की सिलिया डरी, सहमी-सी एक कोने में खड़ी थी और मामी अपनी बेटी मालती को बाल पकड़कर मार रही थी, साथ ही ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाकर कहती जा रही थी, “क्यों री, तुझे नहीं मालूम, अपन वा कुएँ से पानी नहीं भर सके हैं ? क्यों चढ़ी तू वा कुआँ पर, क्यों रस्सी-बाल्टी को हाथ लगाया ?” और वाक्य पूरा होने के साथ ही दो-चार झापड़, घूँसे और बरस पड़ते मालती पर । बेचारी मालती, दोनों बाँहों में अपना मुँह छिपाए चीख-चीखकर रो रही थी । साथ ही कहती जा रही थी, “ओ बाई, माफ कर दो, अब ऐसा कभी नहीं करूँगी” ।

2. 'डिप्टी कलक्टर' कहानी निम्न मध्यवर्गीय विवशताओं और संघर्ष की अभिव्यक्ति है ।' स्पष्ट कीजिए । 10
3. 'यही सच है' नवीन संवेदना की प्रेम कहानी है ।' इस कथन पर अपने विचार व्यक्त कीजिए । 10
4. 'गौरैया' कहानी के शिल्प पक्ष का विवेचन कीजिए । 10
5. 'हरी बिन्दी' कहानी की स्त्री दृष्टि का मूल्यांकन कीजिए । 10
6. 'कुबनि भाई' के चरित्र की विशेषताओं को उद्घाटित कीजिए । 10
7. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए : 2×5=10
- (क) 'एक जीता जागता आदमी' कहानी का मंतव्य
- (ख) अकहानी
- (ग) 'ड्राइंग रूम' कहानी का जीवन दर्शन
- (घ) 'तीसरी क़सम' कहानी में अंचल
-